राष्ट्रीय मिशन के तहत न्यू इंडिया मंथन– संकल्प से सिद्वि के अन्तर्गत

शीतजल मत्स्य पालन में रोग प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय जन– जागरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधाल निदेशालय के चम्पावत केंन्द्र द्वारा राष्ट्रीय मिशन के तहत न्यू इंडिया मंथन– संकल्प से सिद्वि के अन्तर्गत जनजागरण एवं रंगीन मछलियों के वितरण किया जिसके मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी, चम्पावत श्री एस.एस. बिष्ट रहे। यह कार्यक्रम नासपैड के अन्तर्गत आयोजित किया गया। इसमें चम्पावत जिले के 10 महिलाओं सहित कुल 25 मत्स्य किसानों ने भाग लिया। इस दौरान कृषकों को मत्स्य तालाबों में पाई जाने वाली बीमारियों एवं उसके निदान हेतु अपनाए जाने वाले उपायों के बारे में विस्तार से बताया गया।

कार्यक्रम निदेशालय के निदेशक डा. ए.के. सिह के निर्देशन में आयोजित किया गया। वरिष्ठ वैज्ञनिक एवं केंन्द्र प्रभारी डॉ. सुरेश चन्द्रा, ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए मिशन एवं केंन्द्र की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। भीमताल निदेशालय के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. रविन्द्र सिह पतियाल ने रंगीन मछलियों की पालन संम्भावना के बारे में विस्तार के बताते हुए खुनाड़ी गॉव के श्री नवीन जोशी का उदाहरण दिया और किसानों से इस लाभकारी उद्यम को घर ऑगन में अपनानें का आह्ववान किया। वैज्ञानिक डा. सुमन्त कुमार मलिक ने तालाबों में होने वाली सामान्य होने वाली बीमारियों एवं उनके उपचार विधियों के बारे में बड़ी सरल भाषा में अवगत कराया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी ने इस तरह के पहली बार हो रहें आयोजन पर खुशी व्यक्त करते हुए उपस्थित विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया और चम्पावत को उत्तराखंड को रंगीन मछलियों के व्यवसायिक उत्पादन के लिए किसानों को आहवान करने हुए कापरेटिव फडरेशसन बनाने एवं दीनदयाल अन्त्योदयी मिशन से अन्तर्गत आजिविका मिशन में रंगीन मछलियों को पालने की बात की तथा एन.आर.एल.एम के अन्तर्गत आवश्यक संसाधनों को जुटाने का आश्वासन किया तथा आशा व्यक्त की निदेशालय के साथ मिलकर इस योजना को और आगे बढ़ाने की बात कही। यहॉ के प्रगतिशील किसानों को शैक्षिक भम्रण कर उपलब्ध कराने के लिए प्रयास किया जाएगा। खुनाड़ी गॉव के मत्स्य कृषक नवीन जोशी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने लगभग आधी नाली से रंगीन मछली के साथ खाने वाली मछली पालकर 30–40 हजार रू0 प्रतिवर्ष कमाया। अन्य मत्स्य कृषकों ने भी अपने अनुभवों को साझा किया। इस अवसर पर 15 मत्स्य कृषकों को रंगीन अलंकारिक कोई एवं गोल्ड फिश के बीजों का वितरण किया। कार्यक्रम में वैज्ञानिक श्री रितेश टंडेल, श्री राजा आदिल,श्री ए.के.गिरि एवं केंन्द्र के अन्य कर्मचारिगण उपस्थिति रहें।

ICAR
NBFGR

न्यू इण्डिया मंथन–संकल्प से सिद्धि
NBFGR